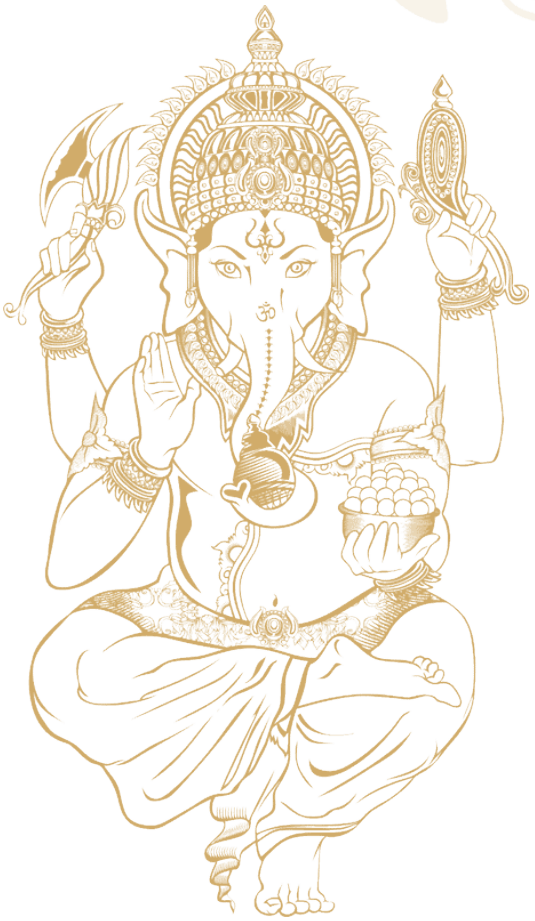

Abdesh

03 Dec 1986

09:55 AM

Mathura

Model: web-freekundliweb

Order No: 121870304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/12/1986**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:55:00 घंटे**
इष्ट	07:33:36 घटी
स्थान	**Mathura**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:30:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:35:48 घंटे
वेलान्तर	00:10:20 घंटे
साम्पातिक काल	14:22:39 घंटे
सूर्योदय	06:53:33 घंटे
सूर्यास्त	17:24:12 घंटे
दिनमान	10:30:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:01:48 वृश्चिक
लग्न के अंश	28:17:46 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	28:17:46	375:09:23	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	17:01:48	01:00:52	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	08:11:50	15:13:15	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			कुंभ	11:07:50	00:40:58	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध			तुला	27:15:21	01:12:04	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	20:19:38	00:04:54	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
शुक्र			तुला	12:11:42	00:16:04	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि		अ	वृश्चि	18:21:23	00:07:07	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	25:58:01	00:07:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	25:58:01	00:07:54	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	28:11:11	00:03:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप			धनु	10:56:40	00:02:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	14:54:39	00:02:08	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
दशम भाव			तुला	14:21:21	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:22

लग्न-चलित

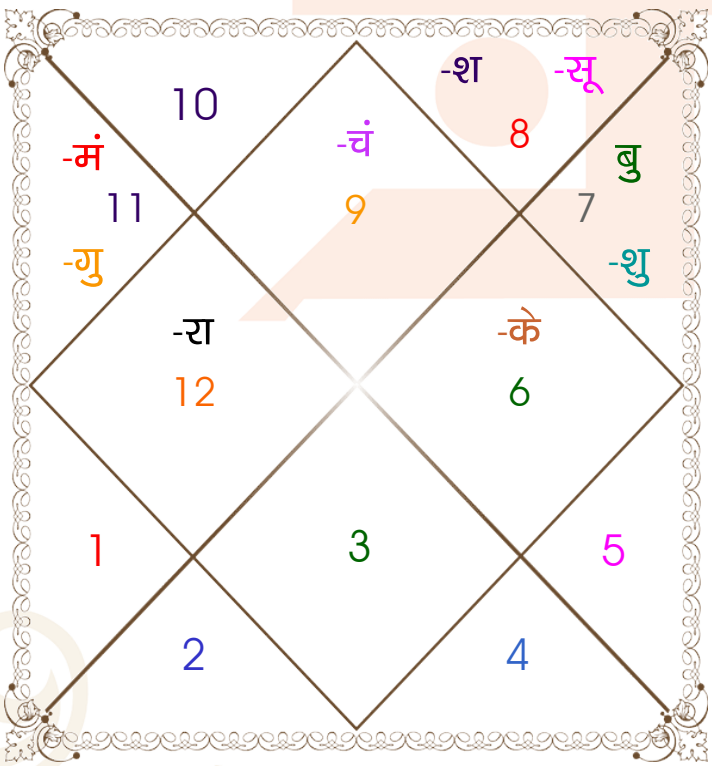

चन्द्र कुंडली

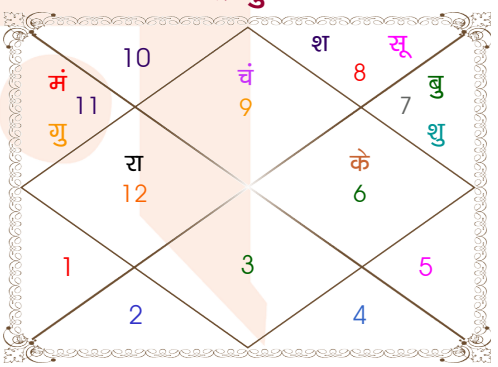

नवमांश कुंडली

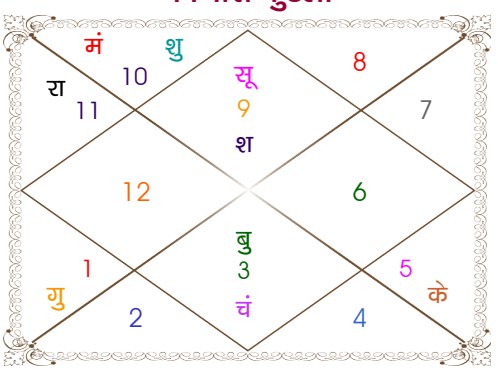

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 8 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/12/1986		14/08/1989		14/08/2009		14/08/2015		14/08/2025	
14/08/1989		14/08/2009		14/08/2015		14/08/2025		14/08/2032	
	00/00/0000	शुक्र	13/12/1992	सूर्य	01/12/2009	चंद्र	14/06/2016	मंगल	10/01/2026
	00/00/0000	सूर्य	14/12/1993	चंद्र	02/06/2010	मंगल	13/01/2017	राहु	28/01/2027
	00/00/0000	चंद्र	14/08/1995	मंगल	08/10/2010	राहु	15/07/2018	गुरु	04/01/2028
	00/00/0000	मंगल	13/10/1996	राहु	02/09/2011	गुरु	14/11/2019	शनि	12/02/2029
	00/00/0000	राहु	14/10/1999	गुरु	20/06/2012	शनि	14/06/2021	बुध	09/02/2030
	03/12/1986	गुरु	14/06/2002	शनि	02/06/2013	बुध	13/11/2022	केतु	09/07/2030
गुरु	09/07/1987	शनि	14/08/2005	बुध	08/04/2014	केतु	14/06/2023	शुक्र	08/09/2031
शनि	17/08/1988	बुध	14/06/2008	केतु	14/08/2014	शुक्र	12/02/2025	सूर्य	13/01/2032
बुध	14/08/1989	केतु	14/08/2009	शुक्र	14/08/2015	सूर्य	14/08/2025	चंद्र	14/08/2032

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/08/2032		14/08/2050		14/08/2066		14/08/2085		15/08/2102	
14/08/2050		14/08/2066		14/08/2085		15/08/2102		00/00/0000	
राहु	27/04/2035	गुरु	01/10/2052	शनि	17/08/2069	बुध	10/01/2088	केतु	11/01/2103
गुरु	19/09/2037	शनि	15/04/2055	बुध	26/04/2072	केतु	07/01/2089	शुक्र	12/03/2104
शनि	26/07/2040	बुध	20/07/2057	केतु	05/06/2073	शुक्र	08/11/2091	सूर्य	18/07/2104
बुध	13/02/2043	केतु	26/06/2058	शुक्र	04/08/2076	सूर्य	13/09/2092	चंद्र	16/02/2105
केतु	02/03/2044	शुक्र	24/02/2061	सूर्य	17/07/2077	चंद्र	12/02/2094	मंगल	15/07/2105
शुक्र	03/03/2047	सूर्य	14/12/2061	चंद्र	16/02/2079	मंगल	10/02/2095	राहु	03/08/2106
सूर्य	26/01/2048	चंद्र	15/04/2063	मंगल	27/03/2080	राहु	29/08/2097	गुरु	04/12/2106
चंद्र	27/07/2049	मंगल	20/03/2064	राहु	31/01/2083	गुरु	05/12/2099		00/00/0000
मंगल	14/08/2050	राहु	14/08/2066	गुरु	14/08/2085	शनि	15/08/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 8 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।